ये अव्यक्त इशारे

सदा हर्षित रहने के लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ, सहनशील बनो

9-06-2026

जो सहनशील है वही ड्रामा की ढाल पर ठहर सकता है और हर्षित रह सकता है। सहनशीलता नहीं तो ड्रामा की ढाल को पकड़ना भी मुशकिल है। इस समय जो भी कर्म करते हो उसमें करन-करावनहार की स्मृति सदा रहे। कराने वाला बाप है, करने वाला निमित्त है, अगर यह स्मृति में रख कर्म करो तो अनुभव होगा कि साक्षी हो जैसे पार्ट बजा रहे हैं।

To remain constantly cheerful, be easy-natured and tolerant.

Only those who are tolerant are able to remain stable and also cheerful using the shield of the drama. If you are not tolerant, it will be difficult for you to hold the shield of the drama. Whatever actions you do at this time, constantly remain aware of Karankaravanhar. The Father is inspiring you do to everything and the ones who are doing everything are His instruments. If you act in this awareness, you will experience yourself to be playing a part as a detached observer.